भारत देगा 10 मिलियन डॉलर, डाक क्षेत्र सशक्त होगा

दुबई में सिंधिया ने यूपीआई-यूपीयू इंटीग्रेशन किया लॉन्च

ई-कॉमर्स व डिजिटल पेमेंट्स पर होगा फोकस

दुबई, 9 सितंबर. केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने दुबई में आयोजित 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में यूपीआई-यूपीयू इंटीग्रेशन प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया. यह ऐतिहासिक पहल विश्वभर के करोड़ों लोगों के लिए सीमा-पार धन प्रेषण की प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी.

यह तकनीक भारत के डाक विभाग, एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड और यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन के सहयोग से विकसित की गई है. इस परियोजना में भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस को यूपीयू इंटरकनेक्शन प्लेटफॉर्म (आईपी) से जोड़ा गया है, जिससे डाक नेटवर्क की पहुंच और यूपीआई की गति व किफायत का अद्वितीय संयोजन स्थापित हुआ है. इस अवसर पर सिंधिया ने कहा कि यह केवल टेक्नोलॉजी लॉन्च नहीं है, बल्कि एक सामाजिक संकल्प है. डाक नेटवर्क की विश्वसनीयता और यूपीआई की तेजी मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि परिवार सीमाओं के पार भी तेज, सुरक्षित और कम लागत पर धन भेज सकें.

यह साबित करता है कि नागरिकों के लिए बनी सार्वजनिक संरचनाएं, सीमाओं के पार जुड़कर मानवता की बेहतर सेवा कर सकती हैं. अपने संबोधन में सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आधार, जनधन और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के साथ हमने 560 मिलियन से अधिक खाते खोले हैं.

तकनीक के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने घोषणा की कि भारत इस चक्र में 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर का योगदान देगा ताकि तकनीक के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके, विशेषकर ई-कॉमर्स और डिजिटल पेमेंट्स पर फोकस के साथ. उन्होंने प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए कहा कि भारत संसाधनों, विशेषज्ञता और मित्रता के साथ विश्व समुदाय के साथ खड़ा है.

केंद्रीय मंत्री ने भारत की आधुनिक, समावेशी डाक प्रणाली की कार्ययोजना साझा की, जिसे उन्होंने चार क्रियाओं से परिभाषित किया-

कनेक्ट: डेटा- आधारित लॉजिस्टिक्स के माध्यम से निर्बाध जोड़.

इंक्लूड: हर प्रवासी और डिजिटल उद्यम तक किफायती डिजिटल वित्तीय सेवाएं पहुंचाना.

मॉडर्नाइज: एआई, डिजिपिन और मशीन लर्निंग का उपयोग.

कोऑपरेट: दक्षिण-दक्षिण सहयोग और यूपीयू समर्थित तकनीकी प्रकोष्ठ.

इंस्टामार्ट पहली मेगा सेल 19 सितंबर से

नयी दिल्ली, 09 सितंबर (वार्ता) क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म इंस्टामार्ट ने मंगलवार अपनी पहली वार्षिक मेगा सेल इंस्टामार्ट क्विक इंडिया मूवमेंट के शुभारंभ की घोषणा की. कंपनी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि इस सेल में खरीदारों को तुरंत डिलीवरी के साथ आकर्षक ऑफर मिलेंगे. यह सेल इंस्टामार्ट ऐप और स्विगी ऐप, दोनों पर 19 सितंबर से 28 सितंबर तक लाइव रहेगी. ग्राहक त्वरित डिलिवरी के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, किचन और डाइनिंग, सौंदर्य प्रसाधन, खिलौने आदि पर 50-90 प्रतिशत तक की भारी छूट का लाभ उठा सकते हैं. इस सेल में 50 हजार से अधिक उत्पाद उपलब्ध होंगे. एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड से खरीददारी करने पर एक हजार रुपये तक की 10 प्रतिशत छूट मिलेगी.

भारत की बेरोजगारी दर जी20 में न्यूनतम

मांडविया बोले, नई योजनाओं से 3.5 करोड़ नौकरियाँ

2 लाख करोड़ से पाँच प्रमुख योजनाएँ घोषित

नई दिल्ली. श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को घोषणा की कि भारत की बेरोजगारी दर 2% है, जो त्र20 देशों में सबसे कम है. उन्होंने यह बात विश्व आर्थिक मंच की द फ्यूचर ऑफ जॉब्स रिपोर्ट 2025 का हवाला देते हुए कही.

मांडविया ने भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के साथ विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन पर प्रकाश डाला और सरकार की उन योजनाओं की सराहना की जिन्होंने इसमें महत्वपूर्ण योगदान दिया है. मंत्रालय ने रोजगार के अवसर और युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए टुगेदर और क्विकर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं. मंत्री ने कहा, ये साझेदारियाँ रोजगार तलाशने वालों के लिए उपयुक्त अवसर और संरचित मेंटरिंग उपलब्ध कराएंगी, खासकर इस साल अगस्त में शुरू हुई प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के मद्देनजर.

मांडविया के अनुसार, राष्ट्रीय करियर सेवा पोर्टल 52 लाख से अधिक पंजीकृत नियोक्ताओं, 5.79 करोड़ नौकरी चाहने वालों और 7.22 करोड़ से अधिक रिक्तियों के साथ अब केवल नौकरी की सूची से आगे बढ़कर रोजगार से संबंधित सभी सेवाओं के लिए एक वन-स्टॉप समाधान बन रहा है. उन्होंने बताया कि वर्तमान में पोर्टल पर 44 लाख से अधिक सक्रिय रिक्तियाँ हैं. पिछले एक साल में, मंत्रालय ने अमेज़ॅन और स्विगी सहित दस प्रमुख संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे लगभग पाँच लाख रिक्तियाँ जुटाई गई हैं.

> युवाओं पर सरकार के नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने की बात करते हुए, मांडविया ने बताया कि 4.1 करोड़ युवाओं को रोजगार, कौशल और अवसरों के लिए समर्थन देने हेतु 2 लाख करोड़ रुपये के कुल बजट के साथ पाँच प्रमुख योजनाओं की घोषणा की गई है. इस पैकेज की एक मुख्य बात प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना है, जिसके लिए 99,446 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है. इसका उद्देश्य दो साल में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियाँ सृजित करना है, जिसमें से 1.92 करोड़ नौकरियाँ पहली बार नौकरी तलाशने वाले युवाओं को मिलेंगी.

मेटल, फार्मा, हेल्थकेयर में तेजी

10 सितंबर को हाई-मोमेंटम की संभावना

मुंबई, 9 सितंबर शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन मंगलवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली. सेंसेक्स 300 अंक चढ़कर 81,100 के पार चला गया, जबकि निफ्टी में 80 अंकों की बढ़त के साथ यह 24,850 के आसपास कारोबार कर रहा है.

बाजार की इस तेजी का नेतृत्व मुख्य रूप से आईटी, मेटल और फार्मा सेक्टर के शेयरों ने किया. इंफोसिस के शेयर में करीब 5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है, जबकि , टेक महिंद्रा में भी 2प्रतिशत तक का उछाल देखा गया. निफ्टी के 50 में से 30 शेयरों में तेजी रही. वहीं, और जैसे कुछ शेयरों में हल्की गिरावट आई है. ग्लोबल मार्केट से मिले पॉजिटिव संकेतों का असर भारतीय बाजार पर भी दिखा.

जापान का निक्केई, कोरिया का कोस्पी, हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग और चीन के शंघाई इंडेक्स में हल्की से मध्यम तेजी रही. हालांकि, अमेरिकी बाजार 8 सितंबर को हल्की गिरावट के साथ बंद हुए थे. विदेशी निवेशकों ने 8 सितंबर को कैश सेगमेंट में 2,169 करोड़ के शेयर्स बेचे, जबकि घरेलू निवेशकों ने 3,014 करोड़ की नेट खरीदारी की. अगस्त में ने 46,902 करोड़ की बिकवाली की, जबकि ने 94,828 करोड़ की खरीदारी कर बाजार को सहारा दिया.

एनबीसीसी का एनएमआरडीए के साथ समझौता

नागपुर, 9 सितंबर. नागपुर के शहरी परिदृश्य को नया रूप देने की दिशा की ओर एक बड़े कदम के रूप में, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन आने वाले नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने महानगरीय क्षेत्र में योजनाबद्ध अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त केंद्र (आईबीएफसी) के रूप में नवीन नागपुर के विकास हेतु नागपुर महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण के साथ दिनांक कोएक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए.

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की गरिमामयी उपस्थिति में के.पी. महादेवास्वामी,अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी और संजय मीणा, आईएएस, महानगर आयुक्त, एन.एम.आर.डी.ए.द्वारा समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए.इस अवसर पर अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे. नवीन नागपुर का नव-परिकल्पित व्यावसायिक जिला लगभग 1,710 एकड़ (692 हेक्टेयर) क्षेत्र को कवर करेगा जिसमें व्यावसायिक जिला 1000 एकड़ में विस्तारित होगा एवं 710 एकड़ भूमि को भविष्य के विस्तार हेतु आरक्षित किया जाएगा. नवीन नागपुर को प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर विकसित किया जाएगा, जिसमें एकीकृत भूमिगत उपयोगिता सुरंग, जिला शीतलन प्रणाली, स्वचालित अपशिष्ट संग्रहण और पृथक्करण संयंत्र जैसी अत्याधुनिक अवसंरचनाएं शामिल होंगी.

यह परियोजना स्टार्ट-अप, एमएसएमई, आईटी कंपनियों और वाणिज्यिक कार्यालयों के लिए वाणिज्यिक अधिष्ठानों के निर्माण के साथ-साथ आवासीय और मिश्रित उपयोग वाले विकास पर केंद्रित होगी, जो नगर नियोजन दिशानिर्देशों के अनुरूप होंगी. एनबीसीसी को,बिजनेस डिस्ट्रिक्ट के रूप में योजनाबद्ध 1,000 एकड़ भूमि के लिए, परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता नियुक्त किया गया है.

> यह परियोजना अगले 15 वर्षों में तीन चरणों में निष्पादित की जाएगी. यह समझौता ज्ञापन नवीन नागपुर अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय एवं वित्त केंद्र (आईबीएफसी) के रूप में विकसित करने की दिशा की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है, जो इसके कार्यनीतिक विकास और वृद्धि के लिए एक मज़बूत नींव रखेगा.

जीएसटी सुधार से बढ़ेगा निर्यात : संजय कुमार

तंबाकू पर 28 प्रतिशत दर लागू रहेगी

सितंबर से लागू होंगी नई जीएसटी दरें

नई दिल्ली, 9 सितंबर जीएसटी व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है. 22 सितंबर से कुल 375 वस्तुओं पर नई, घटाई गई जीएसटी दरें लागू होंगी, जिसका असर आम उपभोक्ताओं से लेकर उद्योग जगत तक महसूस किया जाएगा.

इसी कड़ी में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के प्रमुख संजय कुमार अग्रवाल ने व्यापारिक संगठनों और अधिकारियों से संवाद और सहयोग बढ़ाने की अपील की है. अग्रवाल ने अपने पत्र में लिखा कि इन सुधारों का लाभ तभी पूरी तरह मिल पाएगा जब सभी हितधारकों के बीच स्पष्ट संवाद और जागरूकता बनी रहे. उन्होंने खासतौर पर छोटे व्यापारियों और के लिए इन बदलावों को समझने और अपनाने की जरूरत पर ज़ोर दिया.

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के तहत, अब देशभर में जीएसटी की स्लैब संरचना को सरल करते हुए दो मुख्य दरें — 5प्रतिशत और 18प्रतिशत निर्धारित की गई हैं. तंबाकू और लक्ज़री वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर रखी गई है, जबकि 31 दिसंबर तक उनके लिए पुरानी दरें लागू रहेंगी.

ग्वालियर में लगेगा सोलर प्लांट

नयी दिल्ली, 08 सितंबर. देश के प्रमुख सोलर मॉड्यूल निर्माताओं में से एक, गौतम सोलर प्राइवेट लिमिटेड ने मध्य प्रदेश में अत्याधुनिक सोलर सेल निर्माण संयंत्र की स्थापना के लिए 4,000 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण निवेश की घोषणा की है.

कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह परियोजना ग्वालियर में 54 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएगी, जहां कंपनी नवीनतम टॉपकॉन तकनीक आधारित सोलर सेल्स के उत्पादन पर केंद्रित रहेगी, जिसकी कुल नियोजित क्षमता पांच गीगावॉट होगी. कंपनी ने कहा है कि परियोजना का क्रियान्वयन प्रथम चरण से शुरू हो चुका है, जिसमें दो गीगावॉट सोलर सेल निर्माण क्षमता स्थापित की जाएगी. इस चरण का कार्य वर्ष 2026 तक पूरा होने की संभावना है. प्रथम चरण की सफलतापूर्वक पूर्णता के पश्चात, गौतम सोलर फेज़ 2 के लिए पूंजी जुटाने के लिए आईपीओ लाने की योजना बना रहा है.

एप्पल आईफोन 17 सीरीज होगी लॉन्च

आईफोन 17 सीरीज में 4 मॉडल्स, कीमत रु.79,900 से शुरू

नई दिल्ली 7 9 सितंबर. दुनिया भर के टेक प्रेमियों की नजर आज उस इवेंट पर टिकी है, जिसमें एप्पल अपने बहुप्रतीक्षित आई फोन 17 सीरीज को लॉन्च करने जा रहा है. कैलिफोर्निया स्थित एपल पार्क में होने वाला यह इवेंट भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे शुरू होगा.

आईफोन 17 सीरीज में कुल चार मॉडल्स शामिल होंगे — आईफोन 17, आईफोन 17 एयर, आईफोन 17 और आईफोन 17 प्रो मैक्स. इनमें सबसे बड़ा आकर्षण आईफोन 17 एयर है, जिसे अब तक का सबसे पतला बताया जा रहा है. यह मॉडल आईफोन प्लस की जगह लेगा और डिजाइन के मामले में एक क्रांति ला सकता है.

एयरपॉड्स प्रो 3 में इस बार एक नया फीचर जोड़ा गया है — हार्ट रेट मॉनिटरिंग. इस हेल्थ ट्रैकिंग फीचर से यह ऑडियो डिवाइस सिर्फ म्यूजिक सुनने का जरिया नहीं, बल्कि एक फिटनेस कंपेनियन भी बन जाएगा.

इवेंट एप्पल वॉच सीरीज 11 और इवेंट एप्पल वॉच सीरीज 3 की भी झलक देखने को मिल सकती है. साथ ही, कंपनी अपने नए आईओएस26 ऑपरेटिंग सिस्टम को पेश करेगी, जिसमें इंटरफेस और कई एआई -आधारित फीचर्स होंगे.

समाचार विशेष

इस बार कम चरण में बिहार चुनाव!

नई दिल्ली. बिहार विधानसभा का चुनाव इस बार कम चरणों का हो सकता है. पिछली बार विधानसभा चुनाव तीन चरण में हुए थे. पहले चरण में 71 सीटों पर मतदान 28 अक्टूबर 2020 को हुआ था. दूसरे चरण में तीन नवंबर को 94 और तीसरे चरण में सात नवंबर को बची हुई 78 सीटों पर मतदान हुआ था और 10 नवंबर को नतीजे आए थे.

इस बार कहा जा रहा है कि मतदान दो चरणों में हो सकता है. भाजपा के एक जानकार नेता ने यह संकेत भी दिया अगर एक चरण में चुनाव हो जाए तब भी ज्यादा हैरानी की बात नहीं होगी. इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि महाराष्ट्र में 288 सीटें हैं और वहां भी गढ़चिरौली जैसे कुछ इलाके हैं, जो नक्सल प्रभावित हैं फिर भी चुनाव एक चरण में हो गया था. महाराष्ट्र के साथ साथ हरियाणा का चुनाव भी हुआ था. बिहार का चुनाव अकेले है और कुल 243 सीटें हैं. इसलिए एक चरण में चुनाव हो सकता है.

दूसरी ओर भाजपा और जदयू के कुछ नेता इसको लेकर आशंकित हैं. वे पिछले चुनाव का हवाला दे रहे हैं, जब पहले चरण में एनडीए बुरी तरह से पिछड़ा था. तभी बाद के दो चरणों में रणनीति बदली गई, चिराग पासवान पर दबाव बनाया गया और तब किसी तरह एनडीए बहुमत तक पहुंच पाया. अगर उस बार एक चरण में चुनाव होता तो एनडीए की बड़ी हार तय थी. इस वजह से एक खेमा अब भी तीन चरण में मतदान कराने का हामी है.

> बहरहाल, एक या दो चरण में चुनाव कराने की पैरवी कर रहे नेताओं का कहना है कि विपक्ष को ज्यादा समय नहीं देना है. एनडीए के ज्यादातर बड़े नेता चुनाव नहीं लड़ेंगे और प्रचार के लिए बहुत सारे राष्ट्रीय नेता हैं. उधर विपक्षी गठबंधन के ज्यादातर नेता चुनाव लड़ने वाले हैं और सबकी लड़ाई तगड़ी होने वाली है. तभी अगर एक या दो चरण में चुनाव होंगे तो उनको प्रचार का समय नहीं मिलेगा. वे अपने चुनाव क्षेत्र में उलझेंगे, जिसके एनडीए का काम आसान हो जाएगा. यह भाजपा और जदयू की सोच है, जबकि मतदान की तारीखें चुनाव आयोग को तय करना है.

सड़क पर आई मोदी के सांसदों की लड़ाई

संसदीय 'प्रताप' चाहते हैं निशिकांत..रूडी इसलिए हैं नाराज

पटना. बिहार की सारण लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद राजीव प्रताप रूडी ने अपने ही साथी सांसद निशिकांत दुबे पर तीखा हमला बोला है. रूटी ने निशिकांत दुबे को अहंकारी बताया है. राजीव प्रताप रूडी ने तो यहां तक कह दिया कि संसद के अंदर की सरकार से अलग हटकर निशिकांत दुबे खुद में एक सरकार हैं. लेकिन मैं उनकी सरकार का हिस्सा नहीं हूं.

राजीव प्रताप रूडी ने ये एक डिजिटल मीडिया चैनल के साथ एक वीडियो इंटरव्यू में कहीं. इस इंटरव्यू में रूडी से दिल्ली कॉन्स्टिट्यूशन क्लब चुनाव को लेकर सवाल पूछा गया. सवाल के जवाब में भाजपा सांसद ने कहा कि निशिकांत दुबे संसद को अपने हिसाब से चलाना चाहते हैं. गौरतलब है कि दिल्ली कॉन्स्टिट्यूशन क्लब चुनाव में निशिकांत दुबे भाजपा के संजीव बालियान के लिए प्रचार कर रहे थे, जो रूडी के खिलाफ खड़े थे.

वीडियो इंटरव्यू में राजीव प्रताप रूडी से दिल्ली कॉन्स्टिट्यूशन क्लब चुनाव को लेकर सवाल पूछे जा रहे थे. इसमें उनसे पूछा गया कि इस चुनाव में उनकी अपनी पार्टी उनके खिलाफ थी. उनसे आगे पूछा गया कि क्या गृह मंत्री अमित शाह ने भी उनके खिलाफ प्रचार किया था? इसके जवाब में राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि यह ग़लत सूचना एक ऐसे व्यक्ति ने फैलाई है जो सोचता है कि वह एक सांसद के तौर पर संसद को नियंत्रित करता है.

'संसद में शो चलाते हैं निशिकांत'

रूडी ने आगे कहा कि कि कभी-कभी कुछ लोग अहंकारी हो जाते हैं. इसके बाद उनसे पूछा जाता है कि वह एक साथी सांसद हैं और आपकी पार्टी से हैं. इस पर रूडी कहते हैं कि वे संसद में एक शो चलाते हैं. वह ऐसा दावा करते हैं. उन्होंने तय किया था कि मैं दिल्ली कॉन्स्टिट्यूशन क्लब का चुनाव नहीं जीतूंगा. आगे रूडी से पूछा जाता है कि निशिकांत दुबे को आपसे क्या परेशानी है? इसके जवाब में भाजपा सांसद कहते हैं कि उनकी परेशानी यह है कि वह संसद में शो चलाना चाहते हैं. सरकार से अलग, वह खुद एक सरकार हैं और मैं उनकी सरकार का हिस्सा नहीं हूं.

सलमान खुर्शीद को लेकर कांग्रेस की चिंता

नई दिल्ली. पिछले दिनों आनंद शर्मा ने कांग्रेस के विदेश मामले के प्रकोष्ठ का जिम्मा छोड़ा तो उनकी जगह सलमान खुर्शीद को उसका प्रभारी बनाया गया. लेकिन क्या सलमान खुर्शीद भी उसी रास्ते पर नहीं हैं, जिस रास्ते पर चलने की वजह से आनंद शर्मा या मनीष तिवारी कांग्रेस नेताओं को खटक रहे हैं?

आखिर सलमान खुर्शीद भी पहलगाम कांड और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का पक्ष रखने के लिए दुनिया के देशों में भेजे गए सर्वदलीय प्रतिनिमंडल का हिस्सा बने थे. विदेश जाकर उन्होंने जो बयान दिए थे उन पर कांग्रेस नेताओं ने खूब आपत्ति भी जताई थी. सलमान खुर्शीद ने विदेश में जो बयान दिए उन पर कांग्रेस की ओर से इतना हमला किया गया कि उनको दुखी होकर यह कहना पड़ा कि क्या देशभक्त होना इतना मुश्किल है. उन्होंने कांग्रेस के ट्रोल्स को देशद्रोही बताया.

विशेष | **गोविंदगंज सीट पर भाजपा-लोजपा (आर) दोनों कर रहे दावेदारी**

आसान नहीं होगी एनडीए की राह

पटना. पूर्वी चंपारण की गोविंदगंज विधानसभा सीट की राजनीति अपनत्व व व्यक्तित्व की दोनों दीवानी है. दबंगई के किस्से भी यहां खूब कहे-सुने जाते हैं. सदानीरा नारायणी व बाबा सोमेश्वर नाथ की शीतल छाया में पल-बढ़ रहे यहां के लोग 1998 से बदलाव कर रहे. यानी किसी को भी जब दिल से लगाते तो खूब प्यार बरसाते. जब नाराज होते तो वही प्यार राजनीति में भी भावनाओं का बवंडर लेकर आता है.

इस बार के चुनाव में भी गोविंदगंज भावनाओं के बवंडर में गोता लगाते नजर आ रहा. यहां की पूर्व विधायक मीना द्विवेदी ने जनता दल यूनाइटेड का साथ चुनाव के ठीक पहले छोड़ दिया है. यही कारण है कि इस बार कयास लगाए जा रहे हैं कि अत्यधिक वर्षा में जिस तरह से नारायणी की धारा सब कुछ बहा ले जाने को आतुर रहती है ठीक उसी तरह इस बार के विधानसभा चुनाव में भितरघात की राजनीति सब कुछ बहा ले जाती है. इस बार मीना के अलग होने और लोजपा (आर) के एनडीए का हिस्सा होने को लेकर अटकलें तेज हैं. राजनीतिक पंडितों की मानें तो इस बार वोट बिखराव की जमीन भी तैयार हो रही. इसे रोकना सभी गठबंधन दलों के लिए चुनौती है.

दरअसल, मीना द्विवेदी की जो राजनीति है उसका नाता विरासत से है. विरासत दबंग देवर देवेंद्रनाथ दुबे द्वारा समता पार्टी से शुरू की गई राजनीति के साथ बनी. 1995 में अपनी दबंग छवि के साथ समता पार्टी से विधानसभा का चुनाव लड़ा और जीत गए. 1998 में लोकसभा चुनाव के समय देवेंद्र की हत्या उन्हीं के विधानसभा क्षेत्र के बरियरिया गांव में हो गई. इसके बाद हुए चुनाव उनके भाई भूपेंद्रनाथ दूबे समता से ही चुनाव जीत गए, 2000 में हुए चुनावों में देवेंद्र के साथी राजन तिवारी अपनी दबंग छवि के साथ सुरक्षा की गारंटी देते हुए लोगों के बीच उतरे और उनके ही भाई भूपेंद्रनाथ दुबे को हराकर चुनाव जीत गए.

> **बगावत के सुर में माधुर्य संग चुनाव लड़ने की तैयारी**
>
> इस्तीफे के सवाल पर पूर्व विधायक मीना द्विवेदी कहती हैं कि हमने और हमारे परिवार ने समता पार्टी से लेकर जनता दल यूनाइटेड के साथ रहकर निष्ठा के साथ काम किया है. 2015 में लोजपा एनडीए का हिस्सा थी. 2020 में अलग हुई तो सीट भाजपा को दे दी गई. मेरी निष्ठा का सम्मान कहीं नहीं किया. बीच में मैं अब से डेढ़ महीने पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मिली, लेकिन आश्वासन मिला. गारंटी नहीं. इसलिए दल से नाता तोड़ लिया. त्याग पत्र भेज दिया. जनता मन बना रही. जनता ने कहा तो चुनाव भी लड़ूंगी.